

سُورَةُ الْبُرُوجِ

Surah 85 — Al-Burooj (The Constellations) · Meccan · 22 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ وَالسَّمَاءِ ذَاتِ الْبُرُوجِ

बुज्रों वाले आसमानों की कसम

2

وَالْيَوْمِ الْمَوْعُودِ

और उस दिन की जिसका वायदा किया गया है

3

وَشَاهِدٍ وَمَشْهُودٍ

और गवाह की और जिसकी गवाही दे जाएगी

4

قَتَلَ أَصْحَابُ الْأُخْدُودِ

उसकी (कि कुफ़ार मक्का हलाक हुए) जिस तरह खन्दक वाले हलाक कर दिए गए

5

النَّارِ ذَاتِ الْوُقُودِ

जो खन्दकें आग की थीं

6

إِذْ هُمْ عَلَيْهَا قُعُودٌ

जिसमें (उन्होंने मुसलमानों के लिए) ईंधन झोंक रखा था

7

وَهُمْ عَلَىٰ مَا يَفْعُلُونَ بِالْمُؤْمِنِينَ شُهُودٌ

जब वह उन (खन्दकों) पर बैठे हुए और जो सुलूक ईमानदारों के साथ करते थे उसको सामने देख रहे थे

8

وَمَا نَقْمُوا؟ مِنْهُمْ إِلَّا أَنْ يُؤْمِنُوا؟ بِاللَّهِ الْعَزِيزِ الْحَمِيدِ

और उनको मोमिनीन की यही बात बुरी मालूम हुई कि वह लोग खुदा पर ईमान लाए थे जो ज़बरदस्त और सज़ावार हम्द है

9

الَّذِي لَهُ؟ مَلِكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ؟ وَاللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ شَهِيدٌ

वह (खुदा) जिसकी सारे आसमान ज़मीन में बादशाहत है और खुदा हर चीज़ से वाकिफ़ है

10

إِنَّ الَّذِينَ فَتَنُوا؟ الْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنَاتِ ثُمَّ لَمْ يَتُوبُوا؟ فَلَهُمْ عَذَابٌ جَهَنَّمَ وَلَهُمْ عَذَابٌ الْحَرِيقِ

बेशक जिन लोगों ने ईमानदार मर्दों और औरतों को तकलीफें दीं फिर तौबा न की उनके लिए जहन्नुम का अज़ाब तो है ही (इसके अलावा) जलने का भी अज़ाब होगा

11

إِنَّ الَّذِينَ ءَامَنُوا؟ وَعَمِلُوا؟ الصَّالِحَاتِ لَهُمْ جَنَّاتٌ؟ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ؟ ذَلِكَ الْفَوْزُ الْكَبِيرُ

बेशक जो लोग ईमान लाए और अच्छे काम करते रहे उनके लिए वह बाग़ात हैं जिनके नीचे नहरें जारी हैं यही तो बड़ी कामयाबी है

12

إِنَّ بَطْشَ رَبِّكَ لَشَدِيدٌ

बेशक तुम्हारे परवरदिगार की पकड़ बहुत सख्त है

13

إِنَّهُ؟ هُوَ يُبْدِئُ وَيُعِيدُ

वही पहली दफ़ा पैदा करता है और वही दोबारा (क्रियामत में ज़िन्दा) करेगा

14

وَهُوَ الْعَفُورُ الْوَدُودُ

और वही बड़ा बख़्शने वाला मोहब्बत करने वाला है

15

ذُو الْعَرْشِ الْمَجِيدُ

अर्श का मालिक बड़ा आलीशान है

16

فَعَالٌ ۚ لِّمَا يُرِيدُ

जो चाहता है करता है

17

هَلْ أَتَاكَ حَدِيثُ الْجُنُودِ

क्या तुम्हारे पास लशकरो की खबर पहुँची है

18

فِرْعَوْنَ وَثَمُودَ

(यानि) फिरऔन व समूद की (ज़रूर पहुँची है)

19

بَلِ الَّذِينَ كَفَرُوا ۚ فِي تَكْذِيبٍ ۚ

मगर कुफ़्कार तो झुठलाने ही (की फ़िक्र) में हैं

20

وَاللَّهُ مِنْ وَرَائِهِمْ مُحِيطٌ ۚ

और खुदा उनको पीछे से घेरे हुए है (ये झुठलाने के क़ाबिल नहीं)

21

بَلْ هُوَ قُرْءَانٌ مَّجِيدٌ ۚ

बल्कि ये तो कुरान मजीद है

22

فِي لَوْحٍ ۚ مَّحْفُوظٍ ۚ

जो लौहे महफूज़ में लिखा हुआ है